[illegible]

अथ पञ्चाक्षरमन्त्रात्मक शिवस्तुतिः॥ नागेन्द्र-
हाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महे-
श्वराय नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै न-
काराय नमः शिवाय॥ मन्दारमुख्यबहुपुष्प-
पूज्य समस्तगीर्वाणगणार्चिताय त्रैलोक्य-
नाथाय पुरान्तकाय तस्मै मकाराय नमः॥२॥
शिवाय मायामुखविकाशनाय सहस्रदंष्ट्र-
वित्रासकाय चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय
तस्मै शिकाराय न०॥ वसिष्ठकुम्भोद्भवगौ-
तमादिमुनीन्द्रवन्द्याय गिरीश्वराय श्रीनी-
लकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै वकाराय न०॥४
यक्षस्वरूपाय जटाधराय पिनाकहस्ता-
य सनातनाय नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय
तस्मै यकाराय नमः शिवाय॥५॥ ओंकारं
बिन्दुसंयुक्तं नित्यं ध्यायन्ति योगिनः कामदं
मोक्षदं चैव ओंकाराय नमो नमः॥१॥
नमन्ति ऋषयो देवा नमन्त्यप्सरसां गणाः
नमन्ति देवताः सर्वे नकाराय नमो नमः॥२॥ महादेवं
महात्मानं महाध्यानपरायणं महापापहरं

[illegible]

[illegible]

नाथ संसार[illegible] ॥ २ ॥ श्रीमच्चन्द्र[illegible]

[illegible] कपाल [illegible]

[illegible] ॥ कैलासपर्वत[illegible] निवास [illegible]

[illegible] त्रिनयन त्रि[illegible]

[illegible] नाथ संसार[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] संसार[illegible] ॥ ३ ॥

गौरीविलासभुवनाय महेश्वराय पञ्चाननाय

शरणागतकल्पकाय शर्वाय सर्वजगतामधिपाय

तस्मै दारिद्र्यदुःखदहनाय नमः शिवाय ॥ ४ ॥

इति श्रीमच्छङ्कराचार्य विरचितं शिवनामाष्टकं समाप्तम् ॥

[illegible] शिव[illegible] जय [illegible] शिव [illegible] ॥

[illegible] जय भव[illegible] जय गौरीपते शिव

जय शिव [illegible] जय गङ्गा[illegible] ॥ जय

[illegible] जय [illegible]

जय [illegible] जय [illegible] त्र्यम्बक ॥

जय त्रैलोक्य[illegible] जय [illegible]

जय [illegible] जय [illegible] ॥

जय [illegible] जय [illegible] ॥ जय-

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ गौरीवल्लभाय भुवनत्रयकारणाय [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः शिवाय ॥१॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१०॥